ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

डिजिटल युग में उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में शिक्षा में तकनीक का उपयोग

Name - Mr. Saurabh kumar singh

Supervisor Name Dr. Manisha Pandey

Department of Education

Institution Name - Malwanchal University, Indore

संक्षेप

आजकल की डिजिटल युग में शिक्षा क्षेत्र में तकनीक का उपयोग महत्वपूर्ण है, और उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में इसका प्रयास अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस प्रयास के तहत, शिक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी सुधार की ओर कदम बढ़ा गया है, जैसे कि शिक्षकों की प्रशिक्षण, शिक्षा सामग्री के डिजिटलीकरण, और डिजिटल पाठयक्रमों का विकास। इसका परिणामस्वरूप, छात्रों को अधिक ज्ञान और समझाने का मौका मिला है, और उन्हें आधुनिक तकनीक के साथ साक्षर बनाने का माध्यम प्राप्त हुआ है। चंदौली जिले में इस तकनीकी सुधार के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन दर्ज किए गए हैं, जिससे शिक्षा का गुणवत्ता बढ़ गई है और छात्रों की शिक्षा में रुचि बढ़ी है। इस अद्भुत प्रयास के माध्यम से चंदौली जिले में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है और छात्रों की शिक्षा को आधुनिक बनाने में सहायक साबित हो रहा है।

परिचय:

प्राचीन काल में शिक्षा गुरुकुलों और पाठशालाओं में दी जाती थी, लेकिन आज के डिजिटल युग में शिक्षा की दिशा में टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है। विज्ञान और तकनीकी के विकास ने शिक्षा के क्षेत्र में भी नए संभावनाओं की दिशा में दरवाजे खोले हैं, जिनसे छात्रों को स्वास्थ्य, गुणवत्ता, और व्यक्तिगतीकरण के पूरे दौर में सहायता मिल

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

सकती है। इस नए संदर्भ में, उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का सही तरीके से उपयोग करने के लिए प्रयास किया है।

चंदौली जिले के प्रयास का उदाहरण उनके डिजिटल शिक्षा प्रोजेक्ट से दिखता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा में टेक्नोलॉजी का उपयोग करके छात्रों को दूरस्थ सीखने की सुविधा प्रदान करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत, डिजिटल पाठ्यक्रमों की व्यवस्था की गई है, जिन्हें छात्र समय और स्थान की बाधा के बिना पढ़ सकते हैं। इसके साथ ही, उन्हें गुरुकुलों में उपलब्ध विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ भी ऑनलाइन संवाद करने का अवसर मिलता है।

इस प्रयास के माध्यम से, चंदौली जिला अपने छात्रों को समृद्धि, विकास, और तकनीकी उन्नति के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाने का प्रयास कर रहा है। यह प्रयास दिखाता है कि ठोस नेतृत्व और सही दिशा-निर्देशन के साथ, टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी उपकरण के रूप में उपयोग की जा सकती है, जो छात्रों के भविष्य की सुरक्षित और सफल निर्माण में मदद कर सकती है।

इस डिजिटल युग में, शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का उपयोग विभिन्न रूपों में किया जा रहा है, जो छात्रों को अधिक सहयोग और संवेदनशीलता प्रदान करते हैं। डिजिटल पाठशालाएं, ऑनलाइन वीडियो शिक्षा, मोबाइल एप्लिकेशन्स, वर्चुअल लेक्चर्स, और वेबिनार जैसे उपाय शिक्षा को आकर्षक और सुलभ बनाने में मदद करते हैं।

चंदौली जिले के प्रयासों के माध्यम से, छात्रों को अधिक संवेदनशील और व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान की जा रही है। विभिन्न शैक्षिक सामग्रियों के उपयोग से, उनकी शिक्षा को उनकी रूचियों और आवश्यकताओं के अनुसार आयोजित किया जा सकता है, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया में रुचि और सहयोग मिलता है।

इस प्रयास में शिक्षकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है, क्योंकि वे टेक्नोलॉजी का सही तरीके से उपयोग करके छात्रों को संबोधित कर सकते हैं और उनकी प्रगति को मानवीय

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

दृष्टिकोण से देख सकते हैं। उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले का यह प्रयास दिखाता है कि टेक्नोलॉजी को शिक्षा के क्षेत्र में सही तरीके से उपयोग करके हम छात्रों को बेहतर और अधिक उन्नत शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। यह स्थायित होता है कि टेक्नोलॉजी का सही दिशा में और सही मात्रा में उपयोग करके हम शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और छात्रों को एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान कर सकते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता

डिजिटल युग के संदर्भ में, जहाँ प्रौद्योगिकी हर पहलू में प्रविष्ट हो रही है, शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के उपयोग की जांच करना आवश्यक हो जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तन को समझना महत्वपूर्ण है, और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के प्रभाव को समझना भी महत्वपूर्ण है। उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले के विशेष प्रयास ने इस अध्ययन को और भी महत्वपूर्ण बनाया है, क्योंकि वह शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति उनके प्रयासों की दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

इस अध्ययन की आवश्यकता प्रौद्योगिकी के रूप में शिक्षा में एक संभावना के रूप में बढ़ती है। पारंपरिक शिक्षण विधियों का प्रौद्योगिकी से मिलन संचित होने के कारण, यह महत्वपूर्ण है कि कैसे इन उपकरणों द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता, पहुँच, और व्यक्तिगतीकरण को कैसे सुधारा जा सकता है। चंदौली जिले के प्रयास एक व्यावसायिक मामला अध्ययन की अद्वितीयता को प्रदर्शित करते हैं, जो शिक्षा में प्रौद्योगिकी के संभावित लाभों को प्रकट करते हैं। इसके अलावा, COVID-19 महामारी ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी के अभिगम को तेजी से बढ़ा दिया है क्योंकि दूरस्थ शिक्षा की दिशा में हुआ है। यह अध्ययन उपयोग किए गए प्रौद्योगिकी-प्रेरित शिक्षा के अंदर शामिल होने वाले चुनौतियों, सफलताओं, और रचनात्मक उपायों के प्रति जागरूकता प्रदान कर सकता है, जो शिक्षा सुधार और भविष्य की तैयारी के बारे में व्यापक चर्चा में योगदान करेगा। चंदौली जिले के विशिष्ट संकेत से

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

इस अध्ययन का उद्देश्य है कि यह शिक्षा के नीतियों और प्रथाओं को सूचित करने में मदद कर सके, न केवल जिले के अंदर, बल्कि उत्तरप्रदेश और उससे भी आगे। विभिन्न शिक्षा हितधारकों और नीतिनिर्माताओं के लिए प्रौद्योगिकी को कैसे उपयोग किया जा सकता है, विभिन्न शिक्षा आवश्यकताओं को कैसे पूरा कर सकता है, शिक्षा के अंतरालों को कैसे समाप्त कर सकता है, और छात्रों को डिजिटल दुनिया के लिए कैसे तैयार कर सकता है, ये मुद्दे मुख्य होते हैं। अध्ययन की आवश्यकता डिजिटल युग में शिक्षा की दिशा को आकार देने में प्रौद्योगिकी के भूमिका को समझने में है, जिसे चंदौली जिले के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और वर्तमान डिजिटल परिदृश्य में शिक्षा के अनुभव को सुधारने के लिए मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

साहित्य समीक्षा

सेल्विन, एन. (2012) डिजिटल युग में शिक्षा की महत्वपूर्णता बढ़ती जा रही है, जहाँ प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में नए संभावनाओं की दिशा में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। इस अध्ययन में हमने डिजिटल शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इसके महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की है।इस अध्ययन में, हमने उन प्रौद्योगिकियों की जांच की है जो शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय परिवर्तन लाने में सहायक हो सकती हैं। इन प्रौद्योगिकियों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म, वीडियो शिक्षा, गेमिफ़ाइड शिक्षा, और वाणिज्यिक वातावरण के तात्विक प्रयोग के संदर्भ में अध्ययन किया गया है।इस अध्ययन के परिणामस्वरूप, हमने देखा कि डिजिटल शिक्षा ने शिक्षा के प्रसार में व्यापक रूप से योगदान किया है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म ने शिक्षार्थियों को गुरुकुल के पारंपरिक सीमाओं से मुक्त करके विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया है। वीडियो और गेमिफ़ाइड शिक्षा ने शिक्षा को रोचक और सहयोगी बनाया है, जबकि वाणिज्यिक वातावरण ने शिक्षा को व्यावसायिक और नौकरी संबंधित योग्यताओं के साथ जोड़ा है।इस प्रकार, डिजिटल दुनिया में शिक्षा का परिप्रेक्ष्य न केवल प्रौद्योगिकी के उपयोग की दिशा में है, बल्कि यह शिक्षा के स्वरूप और दृष्टिकोण में भी नए दृष्टिकोण प्रदान करने का संदर्भ है। इस अध्ययन के आधार पर, हम डिजिटल शिक्षा के प्रयोग की दिशा में अधिक समझने के लिए विभिन्न शिक्षा प्रदाताओं और शिक्षाशास्त्रियों को प्रोत्साहित करते हैं।

सेल्विन, एन. (2010) डिजिटल युग में स्कूल और स्कूली शिक्षा का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि तकनीकी उन्नति ने शिक्षा के क्षेत्र में नए संभावनाओं की खोली है और पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों को बदल दिया है। इस अध्ययन में हमने डिजिटल स्कूल और स्कूली शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में उनके प्रमुख पहलुओं की जांच की है।डिजिटल स्कूल का परिप्रेक्ष्य देखते हुए, हमने उन तकनीकों की पहचान की है जो स्कूलों में अद्वितीय शिक्षा अनुभव को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं। इसमें शामिल हैं आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑनलाइन शिक्षा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटल पाठयक्रम और शिक्षक-छात्रों के बीच संवाद को सुगमता से संभालने के लिए उपाय।स्कूली शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में, हमने उन बदलावों का पता लगाया है जो डिजिटल युग ने शिक्षा की प्रक्रियाओं में लाए हैं। ऑनलाइन कक्षाएं, शिक्षा में गेमिफिकेशन का उपयोग, और शिक्षा सामग्री के नए रूप इसके उदाहरण हैं। ये बदलाव छात्रों के शिक्षा में रुचि और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।इसके साथ ही, डिजिटल स्कूली शिक्षा ने शिक्षकों के लिए भी नए अवसर प्रस्तुत किए हैं, जैसे कि वे अधिक अनुकूलित और प्रासंगिक शिक्षा सामग्री तैयार कर सकते हैं और विभिन्न शिक्षा उपकरणों का उपयोग करके शिक्षा की प्रक्रियाओं को सुगमता से प्रबंधित कर सकते हैं।इस प्रकार, डिजिटल युग में स्कूल और स्कूली शिक्षा का परिप्रेक्ष्य न केवल शिक्षा की प्रक्रियाओं में सुधार की दिशा में है, बल्कि यह छात्रों और शिक्षकों के लिए नए और उत्तराधिकारी अवसरों की भी दिशा में है। यह प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और उचित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की नाई दिशाओं को खोलता है।

ओल्फर्ट, सी.डब्ल्यू., दामोदरन, एल., और मे, ए.जे. (2005)आधुनिक तकनीकी युग में, डिजिटल समावेशन एक महत्वपूर्ण मिशन बन चुका है जो वृद्ध लोगों को भी डिजिटल दुनिया में समाहित करने का उद्देश्य रखता है। यह उन्हें सूचना तकनीकों के उपयोग में सहायता प्रदान करके उनकी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने का एक प्रमुख माध्यम है।वृद्ध लोगों को डिजिटल समावेश करने का मतलब है कि उन्हें सूचना तकनीकों का सही तरीके से उपयोग करने का तरीका सिखाया जाता है ताकि वे आत्मनिर्भरता के साथ इंटरनेट, स्मार्टफोन, एप्लिकेशन्स, और ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर सकें। इससे उनकी जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है और उन्हें डिजिटल माध्यमों का सही तरीके से लाभ उठाने में मदद मिलती है।डिजिटल समावेशन की प्रक्रिया में, वृद्ध लोगों को संबंधित डिजिटल तकनीकों का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उन्हें साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन विपणन, इंटरनेट बैंकिंग, और सोशल मीडिया के उपयोग में सचेत बनाने का भी महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।वृद्ध लोगों को डिजिटल समावेशित बनाने के उपाय में,

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

सरकार, गैर-सरकारी संगठन, और सोशल सेवा संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम, तकनीकी कार्यशालाएं, और वेबिनार वृद्ध लोगों को डिजिटल दुनिया में आत्म-संवालंबी बनाने में सहायक हो सकते हैं।इस प्रकार, डिजिटल समावेश की दिशा में कदम बढ़ाना एक महत्वपूर्ण कदम है जो वृद्ध लोगों को उनकी जीवन में सुधार और सुविधाएँ प्रदान कर सकता है ताकि वे भी आधुनिक तकनीकी दुनिया में सकुशल रूप से जी सकें।

मैकलारेन, एस.वी. (2008)। डिजिटल युग में तकनीकी प्रगति ने कला और डिजाइन के क्षेत्र में भी नए दिशानिर्देश प्रस्तुत किए हैं। हालांकि डिजिटल कला के अद्वितीयता और तकनीकी माहिरी के बावजूद, मैनुअल तकनीकी ड्राइंग का महत्व भी अभी भी अच्छी तरह से बना हुआ है। इस परिप्रेक्ष्य में, मैनुअल तकनीकी ड्राइंग सिखाने और सीखने के प्रति धारणाओं और दृष्टिकोण की खोज करने का महत्वपूर्ण विचार किया जा सकता है।मैनुअल तकनीकी ड्राइंग का सिखना और शिक्षण आदिकला के अभ्यास में आता है जिसमें हस्तकला के विभिन्न रूपों को कागज, पेंसिल, चार्कोल, रंग, और अन्य माध्यमों का उपयोग करके दर्शाया जाता है। यह तकनीकी नौकरियों में सटीकता, रचनात्मकता, और धैर्य को बढ़ावा देता है और शिक्षार्थियों की दृष्टि को परिपूर्णता की ओर मोड़ता है।हालांकि डिजिटल कला ने अपनी अलग महत्वपूर्णता हासिल की है, मैनुअल तकनीकी ड्राइंग की खासियत और अद्वितीयता को भी नकारना सही नहीं होगा।

कोनोली, एन., और मैकगिनीज, सी. (2018)। आधुनिक युग में, तकनीकी उन्नति और डिजिटलीकरण ने दुनिया के साथ नए संवाद संभावनाओं को उत्पन्न किया है। इस परिप्रेक्ष्य में, युवा पीढ़ी को डिजिटल दुनिया में सक्रिय भागीदारी और सहभागिता के लिए डिजिटल साक्षरता की महत्वपूर्ण ओर बढ़ाने की आवश्यकता है।डिजिटल साक्षरता का अर्थ है कि युवाओं को न केवल तकनीकी उपकरणों का ज्ञान हो, बल्कि उन्हें डिजिटल माध्यमों का सही तरीके से उपयोग करने की क्षमता भी हो। यह उन्हें ऑनलाइन संसाधनों के साथ

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

सहयोगी रूप से काम करने में मदद करता है, समाजिक और आर्थिक दृष्टि से सहयोग प्रदान करता है, और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।युवा पीढ़ी को डिजिटल साक्षरता की प्राप्ति से, वे नए और नोवल तरीकों से सिख सकते हैं, नई विचारधारा का अन्वेषण कर सकते हैं

लैंकशियर, सी., पीटर्स, एम., और नोबेल, एम. (2013) आधुनिक डिजिटल युग ने शिक्षा के क्षेत्र में नए और विशेष चुनौतियों को सामने लाया है, जिनमें ज्ञानमीमांसा का महत्वपूर्ण भूमिका है। वृत्तिमान जानकारी की बड़ी वैशिष्ट्यता के साथ, विभिन्न स्रोतों से समग्र डेटा को विश्लेषण करने की क्षमता ने शिक्षा को नए दिशानिर्देश दिए है। इसके बावजूद, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के संबंधित प्रश्न, ज्ञानमीमांसा के अदालती उपयोग, और डेटा के सही और विश्वसनीय तरीके से उपयोग की चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इसके साथ ही, शिक्षा में डिजिटल तकनीकों का प्रयोग अध्यापन-शिक्षण की प्रक्रिया को बदल रहा है, जहाँ ऑनलाइन पाठ्यक्रम, अद्यतन शिक्षक प्रशिक्षण, और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन सभी मुद्दों के साथ, सहयोगी संबंधितकर्ताओं की सहयोगी दिशा में काम करने से, हम डिजिटल युग में ज्ञानमीमांसा और शिक्षा के प्रगतिशील संदर्भ में अग्रसर हो सकते हैं।

फेसर, के., और फर्लांग, आर. (2001) आधुनिक डिजिटल युग में, युवा पीढ़ी के लिए सूचना क्रांति का समय है, जिसमें उन्हें साइबरकिड नामक मिथकों से दूर रहकर डिजिटल साक्षरता और सुरक्षित तकनीकी उपयोग के तरीकों को सीखने का अवसर मिल रहा है। युवा लोग अब 'साइबरकिड' की दृष्टि से बाहर निकलकर डिजिटल दुनिया में सक्रिय भागीदारी की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं।साइबरकिड का मिथक यह सुझाता है कि युवा लोग इंटरनेट और तकनीक का दुरुपयोग करते हैं और वे सिर्फ विनाशकारी गतिविधियों में लिप्त हैं। हालांकि, यह मिथक अपने मूल कोर से दूर है क्योंकि युवा लोग अब डिजिटल साक्षरता के माध्यम से नए सीखने के तरीकों का पालन कर रहे हैं और तकनीक को

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

सक्षमता और सहयोग का स्रोत बना रहे हैं। युवा पीढ़ी ने सूचना क्रांति के हाशिए पर खड़कर उपलब्ध संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने की क्षमता विकसित की है, जिससे वे अपने शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक आर्थिक विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। वे साइबर सुरक्षा के मामले में भी सक्षमता प्राप्त कर रहे हैं और अपने ऑनलाइन व्यवहार को सुरक्षित बनाने के तरीकों को सीख रहे हैं।इस प्रकार, 'साइबरकिड' के मिथक को पार करके, युवा पीढ़ी डिजिटल युग में सक्रिय भूमिका निभा रही है और सुरक्षित तरीकों से तकनीकी संसाधनों का उपयोग करके सोशल इनोवेशन और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

अल्फ़ाकी, आई.एम. (2018) आधुनिक डिजिटल दुनिया ने शिक्षा के क्षेत्र में नए संभावनाओं की खोल दी है, और इसके साथ ही शिक्षार्थियों की भाषा को महत्वपूर्ण रूप से प्रोत्साहित करने का एक साश्रयी तरीका सामाजिक नेटवर्क का उपयोग है। सामाजिक नेटवर्क ने उनके पास एक मंच प्रदान किया है जिसमें वे अपनी भाषा, विचार, और अभिविचारों को साझा कर सकते हैं और दुनिया के साथ जुड़ सकते हैं।सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से, शिक्षार्थी अपनी भाषा में अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर पाते हैं, जो उनके स्वभाविक रूप से सीखने और समझने की प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। वे अपने साथी छात्रों से अनुभव और ज्ञान साझा करके सीख सकते हैं, जिससे उनकी समझ में गहराई और प्रौद्योगिकीकरण में सुधार होता है।सामाजिक नेटवर्कों का उपयोग करके, विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, और धाराओं के छात्र समूहों को एक-दूसरे के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है। यह उनकी विशेषता को समृद्धि देता है और एक सामूहिक अनुभव की अनुमति देता है, जिससे उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक समग्रता में सुधार होता है।इसी तरीके से, सामाजिक नेटवर्क का सही रूप से उपयोग करके, शिक्षार्थी अपनी भाषा को प्रोत्साहित करते हैं और विभिन्न सामूहिक और शैक्षिक प्रतिबद्धताओं में भाग लेते हैं। इससे उनके अध्ययन कौशल, समझ, और सहयोगीता में वृद्धि होती है, जो उनके भविष्य के संवादनात्मक विकास को सहायक होती है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

अनुसंधान का दायरा

इस अनुसंधान का उद्देश्य है डिजिटल युग में शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के उपयोग के प्रभाव को जांचने और समझने का है, खासकर उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले के प्रयासों के संदर्भ में। यह अनुसंधान विभिन्न पहलुओं में टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग की जांच करेगा, जैसे कि डिजिटल पाठशालाएं, ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म, वर्चुअल लर्निंग उपकरण, और शिक्षक-छात्रों के बीच ऑनलाइन संवाद के प्रभाव को। इसके साथ ही, यह अनुसंधान उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले के इस प्रयास की प्रभावों की मूल्यांकन करेगा कि कैसे टेक्नोलॉजी का सही तरीके से उपयोग करके शिक्षा के क्षेत्र में सुधार किया जा सकता है और छात्रों को उनके शिक्षा संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद की जा सकती है।

समस्या का विवरण

डिजिटल युग में शिक्षा की दिशा में टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के प्रयासों में उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले का प्रयास एक नई दिशा सेट करने का प्रयास है, लेकिन इसके साथ ही कुछ समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं:

इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी: चंदौली जिले में शिक्षा संस्थानों की इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी हो सकती है, जिससे डिजिटल शिक्षा के उपयोग की संभावना परिसीमित हो सकती है।

डिजिटल उपकरणों की अभाव: छात्रों के पास सही डिजिटल उपकरण नहीं होने की स्थिति में, उन्हें तकनीकी शिक्षा और डिजिटल पाठ्यक्रमों का लाभ नहीं मिल सकता।

शिक्षकों की तकनीकी नौकरियों की कमी: टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के लिए तकनीकी ज्ञान और कौशल की आवश्यकता होती है, लेकिन शिक्षकों की तकनीकी नौकरियों की कमी के कारण उन्हें उचित प्रशिक्षण नहीं मिल सकता।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

डिजिटल विभाजन: डिजिटल युग में भी सामाजिक और आर्थिक विभाजन की समस्या सुरक्षित नहीं होती है, जिससे कुछ छात्र तकनीकी शिक्षा के लिए पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हो पाते।

अध्यापक-छात्र संवाद की कमी: डिजिटल शिक्षा में अध्यापक-छात्र संवाद की कमी हो सकती है, जिससे छात्र अपनी समस्याओं को सही तरीके से हल नहीं कर पाते।

सांविदानिक प्रतिबंधन: कुछ स्थानों पर सांविदानिक प्रतिबंधन की समस्या हो सकती है, जिससे नए टेक्नोलॉजी और डिजिटल पाठ्यक्रमों की व्यापारिक संभावनाएँ परिसीमित हो सकती हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता का खतरा: टेक्नोलॉजी का अत्यधिक उपयोग करने से शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, यदि उसे सही तरीके से प्रबंधित नहीं किया जाता है।

इन समस्याओं का समाधान निकालकर, चंदौली जिले की शिक्षा प्रणाली को सफलतापूर्वक डिजिटल युग में सुधारने के लिए उचित प्रयास किए जा सकते हैं।

निष्कर्ष

डिजिटल युग में शिक्षा की दिशा में टेक्नोलॉजी का उपयोग एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है जो शिक्षा के क्षेत्र में नए दरवाजे खोलता है। उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया है। चंदौली जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का सही तरीके से उपयोग करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है। वे नवाचारी तकनीकों का उपयोग करके शिक्षकों की प्रशिक्षण को मजबूती देते हैं ताकि वे छात्रों को बेहतर तरीके से पढ़ा सकें। इसके अलावा, डिजिटल पढ़ाई के माध्यम से छात्रों को अधिक रूचिकर और समयबचाने वाला पाठ्यक्रम प्रदान किया जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से, छात्र विभिन्न विषयों में वीडियो व्याख्यान, अध्ययन सामग्री

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

और प्रैक्टिस टेस्टों तक पहुँच सकते हैं। इस प्रयास से चंदौली जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हुआ है और यह एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है कि टेक्नोलॉजी को सही तरीके से अपनाकर शिक्षा को नई दिशा देना संभव है। इससे छात्रों को बेहतर और स्वतंत्र रूप से सीखने का मौका मिलता है जो उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रयास के तहत, चंदौली जिले के स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं और स्मार्ट बोर्ड्स स्थापित किए गए हैं, जिनसे शिक्षार्थियों को अधिक इंटरैक्टिव और रुचिकर पाठ्यक्रम प्राप्त होता है। इससे विद्यार्थियों की रूचि बढ़ती है और वे पाठ्यक्रम को समझने में अधिक सक्षम होते हैं।

भविष्य का कार्य:

डिजिटल युग में शिक्षा की दिशा में टेक्नोलॉजी का उपयोग उत्तरप्रदेश के चंदौली जिले के प्रयासों के प्रति विशेष ध्यान देने के बाद, भविष्य के कार्यों की दिशा निर्धारित करते हैं। इस अनुसंधान के आधार पर कुछ मुख्य कार्य हो सकते हैं:

पॉलिसी और नीतियों का विकास: अनुसंधान के परिणामों के आधार पर, उत्तरप्रदेश सरकार और चंदौली जिले की शिक्षा विभाग को विशिष्ट प्रौद्योगिकी शिक्षा पॉलिसी और नीतियों का विकास करने का माध्यम मिल सकता है।

शिक्षा में डिजिटल उपकरणों का प्रदान: चंदौली जिले में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की वितरण और प्रशिक्षण के उपायों का विकास करने के लिए प्रयास किया जा सकता है, ताकि शिक्षकों और छात्रों को प्रौद्योगिकी का सही तरीके से उपयोग करने में सहायता मिल सके।

शिक्षा संस्थानों में डिजिटल अधिगम: शिक्षा संस्थानों में डिजिटल अधिगम की अधिक प्रोत्साहन और तकनीकी शिक्षा के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट डिजिटल पाठयक्रम: डिजिटल पाठयक्रमों का विकास करने से विद्यार्थियों को अपनी रुचियों और शिक्षा से संबंधित लक्ष्यों के अनुसार शिक्षा मिल सकती है।

संवाद और सहयोग की माध्यम तंत्र की स्थापना: डिजिटल तंत्र के माध्यम से शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों और प्रशासनिककर्मियों के बीच संवाद और सहयोग की माध्यम तंत्र स्थापित किया जा सकता है।

प्रौद्योगिकी कौशल विकास: छात्रों को डिजिटल दुनिया के साथ कदम मिलाने के लिए तकनीकी कौशलों के विकास के लिए अधिक संसाधन प्रदान किए जा सकते हैं।

इन कार्यों के माध्यम से, चंदौली जिले की शिक्षा प्रणाली को डिजिटल युग में उन्नत बनाने का प्रयास किया जा सकता है, जो शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

संदर्भ

सेल्विन, एन. (2012)। डिजिटल दुनिया में शिक्षा: प्रौद्योगिकी और शिक्षा पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य। रूटलेज।

काम्पिलिस, पी., डिवाइन, जे., पुनी, वाई., और न्यूमैन, टी. (2016)। स्कूलों को डिजिटल होने में सहायता करना: एक वैचारिक मॉडल से डिजिटल-युग की शिक्षा के लिए एक स्व-मूल्यांकन उपकरण के डिजाइन की ओर। ICERI2016 कार्यवाही में (पीपी. 816-825)। आईएटेड.

होलोवे, एस.एल., और वैलेंटाइन, जी. (2003)। साइबरकिड्स: सूचना युग में बच्चे। मनोविज्ञान प्रेस

ओल्फर्ट, सी.डब्ल्यू., दामोदरन, एल., और मे, ए.जे. (2005, अगस्त)। डिजिटल समावेशन की ओर - वृद्ध लोगों को 'डिजिटल दुनिया' में शामिल करना। डिजिटल वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस 2005 में एक्सेसिबल डिज़ाइन में (पीपी. 1-7)।

सेल्विन, एन. (2010)। डिजिटल युग में स्कूल और स्कूली शिक्षा: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। रूटलेज।

मैकलारेन, एस.वी. (2008)। डिजिटल युग में मैनुअल तकनीकी ड्राइंग सिखाने और सीखने के प्रति धारणाओं और दृष्टिकोण की खोज करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड डिज़ाइन एजुकेशन, 18, 167-188।

कोनोली, एन., और मैकगिनीज, सी. (2018)। डिजिटल दुनिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और सहभागिता के लिए डिजिटल साक्षरता की ओर। डिजिटल दुनिया में युवा, 4, 77।

मार्टिन, ए. (2006). डिजिटल युग के लिए साक्षरता: भाग 1 का पूर्वावलोकन। सीखने के लिए डिजिटल साक्षरता, 3-25.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 10, Iss 4, 2021

लैंकशियर, सी., पीटर्स, एम., और नोबेल, एम. (2013)। सूचना, ज्ञान और शिक्षा*: डिजिटल युग में ज्ञानमीमांसा और शिक्षा के सामने आने वाले कुछ मुद्दे। वितरित शिक्षा में (पृ. 16-37)। रूटलेज।

फेसर, के., और फर्लांग, आर. (2001)। 'साइबरकिड' के मिथक से परे: सूचना क्रांति के हाशिए पर युवा लोग। जर्नल ऑफ़ यूथ स्टडीज़, 4(4), 451-469।

अल्फ़ाकी, आई.एम. (2018)। डिजिटल दुनिया की ओर: शिक्षार्थी की भाषा को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक नेटवर्क का उपयोग करना।

हार्टले, के., और बेंडिक्सन, एल.डी. (2001)। इंटरनेट युग में शैक्षिक अनुसंधान: व्यक्तिगत विशेषताओं की भूमिका की जांच करना। शैक्षिक शोधकर्ता, 30(9), 22-26

बेनेट, डब्ल्यू.एल. (2008)। डिजिटल युग में नागरिकता बदल रही है।

जी, जे.पी., और हेस, ई.आर. (2011)। डिजिटल युग में भाषा और सीखना। रूटलेज।

डेविड, पी. ए. (1987)। सूचना युग में मानकीकरण के अर्थशास्त्र के लिए कुछ नये मानक। आर्थिक नीति और तकनीकी प्रदर्शन, 206-239।

फ़नामोरी, एम. (2017)। डिजिटल युग में जापानी उच्च शिक्षा जिन समस्याओं का सामना कर रही है - क्या सूचना-आधारित समाज की दिशा में धीमी प्रगति के लिए जापानी विश्वविद्यालय दोषी हैं? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंस्टीट्यूशनल रिसर्च एंड मैनेजमेंट, 1(1), 37-51।